



Mr.pratush



Ms.ayushi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120554801

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
21/10/1993 :	जन्म तिथि	: 04/12/1994
गुरुवार :	दिन	: रविवार
घंटे 08:02:00 :	जन्म समय	: 11:10:00 घंटे
घटी 05:27:25 :	जन्म समय(घटी)	: 12:03:46 घटी
India :	देश	: India
Patna :	स्थान	: Patna
25:37:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:37:00 उत्तर
85:12:00 पूर्व :	रेखांश	: 85:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:48 :	स्थानिक संस्कार	: 00:10:48 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:51:01 :	सूर्योदय	: 06:20:29
17:16:29 :	सूर्यास्त	: 16:58:07
23:46:28 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:47:21
वृश्चिक :	लग्न	: कुम्भ
मंगल :	लग्न लग्नाधिपति	: शनि
धनु :	राशि	: धनु
गुरु :	राशि-स्वामी	: गुरु
पूर्वाषाढा :	नक्षत्र	: मूल
शुक्र :	नक्षत्र स्वामी	: केतु
2 :	चरण	: 2
सुकर्मा :	योग	: शूल
गर :	करण	: बालव
धा-धर्मन्द्र :	जन्म नामाक्षर	: यो-योगिता
तुला :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: धनु
क्षत्रिय :	वर्ण	: क्षत्रिय
मानव :	वश्य	: मानव
वानर :	योनि	: श्वान
मनुष्य :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाड़ी	: आद्य
सर्प :	वर्ग	: मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
शुक्र 11वर्ष 7मा 18दि
मंगल

09/06/2021

09/06/2028

मंगल	06/11/2021
राहु	24/11/2022
गुरु	31/10/2023
शनि	09/12/2024
बुध	06/12/2025
केतु	04/05/2026
शुक्र	04/07/2027
सूर्य	09/11/2027
चन्द्र	09/06/2028

अंश

01:44:19
03:56:28
18:54:36
22:41:59
27:20:53
01:51:42
12:32:59
29:54:05
09:49:15
09:49:15
24:41:23
24:43:22
00:34:31

राशि

वृश्चि
तुला
धनु
तुला
तुला
कन्या
मकर
वृश्चि
वृष
धनु
धनु
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु
केतु
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

कुंभ
वृश्चि
धनु
सिंह
वृश्चि
वृश्चि
तुला
कुंभ
तुला
मेष
मकर
धनु
वृश्चि

अंश

00:18:37
18:02:59
05:33:38
03:59:38
12:33:50
05:04:20
10:47:54
12:25:40
20:50:24
20:50:24
00:12:25
27:49:10
04:43:31

विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 0मा 29दि
चन्द्र

02/01/2025

02/01/2035

चन्द्र	02/11/2025
मंगल	03/06/2026
राहु	03/12/2027
गुरु	03/04/2029
शनि	03/11/2030
बुध	03/04/2032
केतु	02/11/2032
शुक्र	04/07/2034
सूर्य	02/01/2035

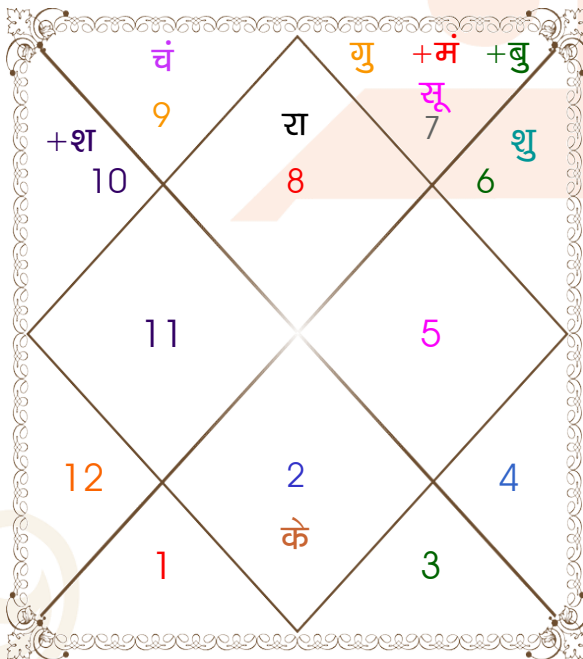
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

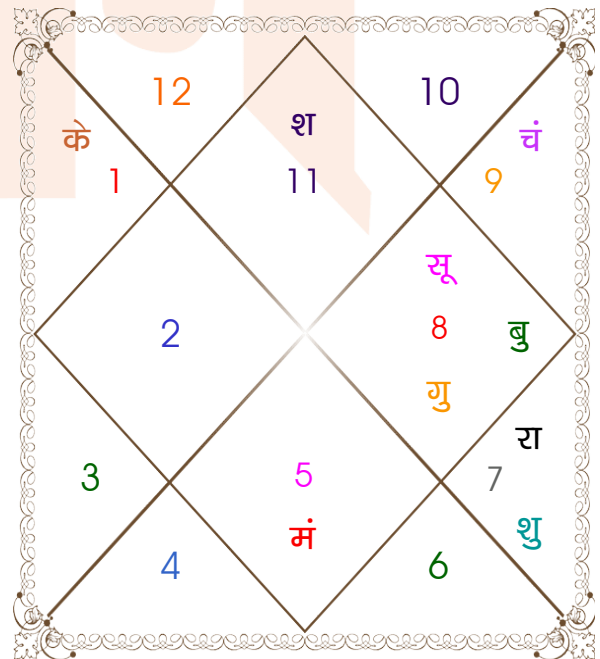
राहु : स्पष्ट

23:46:28 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:21

लग्न-चलित



लग्न-चलित



ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र

लाइन तलाव रांची झारखंड

9835195382

9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

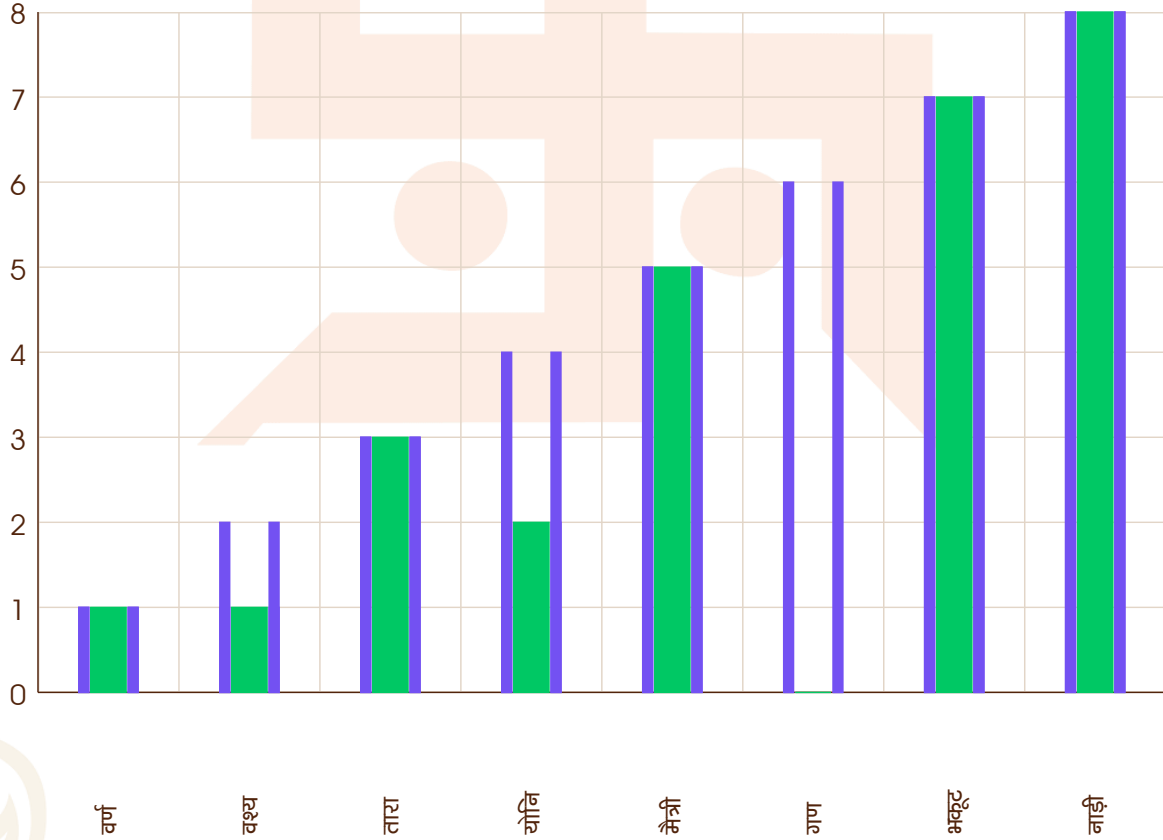
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

27.00

कुल : 27 / 36



ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र

लाइन तलाव रांची झारखंड

9835195382

9835195382

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विद्यमान है।

Mr.pratush का वर्ग सर्प है तथा Ms.ayushi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.pratush और Ms.ayushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.pratush मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.pratush की कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।

न मंगली मंगल राहु योग ।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.pratush की कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.ayushi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें

भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.pratush कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.pratush तथा Ms.ayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.pratush का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms.ayushi का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

Mr.pratush का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं Ms.ayushi का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Mr.pratush एवं Ms.ayushi एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Ms.ayushi क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Mr.pratush की तारा सम्पत तथा Ms.ayushi की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Mr.pratush एवं Ms.ayushi दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Ms.ayushi एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Mr.pratush की योनि वानर है तथा Ms.ayushi की योनि श्वान है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.pratush एवं Ms.ayushi दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr.pratush एवं Ms.ayushi दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Mr.pratush का गण मनुष्य तथा Ms.ayushi का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms.ayushi का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Mr.pratush एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Mr.pratush एवं Ms.ayushi दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Mr.pratush एवं Ms.ayushi तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Mr.pratush की नाड़ी मध्य है तथा Ms.ayushi की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति

उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।



ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र

लाइन तलाव रांची झारखंड

9835195382

9835195382

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.pratush और Ms.ayushi की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त धनु राशि है। अतः इसके प्रभाव से Mr.pratush और Ms.ayushi के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी तथा परस्पर संबंधों में भी प्रगाढ़ता रहेगी जिससे वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr.pratush और Ms.ayushi की राशि का स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से परस्पर संबंधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति हार्दिक प्रेम, सहानुभूति तथा समर्पण का भाव विद्यमान रहेगा एवं सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करेंगे। ऐसा करने से Mr.pratush और Ms.ayushi का वैवाहिक जीवन सुख एवं शांति पूर्ण व्यतीत होगा तथा मधुर स्मृतियों तथा क्षणों की हृदय से आनंद उठाएंगे।

Mr.pratush और Ms.ayushi की राशियां परस्पर प्रथम प्रथम - भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से Mr.pratush और Ms.ayushi भाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा जीवन में इच्छित सुखैश्वर्य एवं संसाधनों से युक्त होकर उनका उपभोग करेंगे। उनकी परस्पर सामंजस्य की प्रवृत्ति भी होगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व एवं स्वतंत्रता का हार्दिक सम्मान करेंगे जिससे Mr.pratush और Ms.ayushi का दाम्पत्य जीवन अत्यंत ही शुभ रहेगा तथा शांति पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

Mr.pratush का वश्य चतुष्पद है तथा Ms.ayushi का वश्य मानव है। मानव तथा चतुष्पद वश्य में आपस में नैसर्गिक असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। इसके प्रभाव से Mr.pratush और Ms.ayushi की अभिरुचियों में अन्तर होगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी असमानताएं रहेंगी तथा एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे।

Mr.pratush एवं Ms.ayushi दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः दोनों की कार्य क्षमता बराबर होगी तथा साहसिक एवं पराक्रमी कार्यों को करने में दोनों रुचिशील रहेंगे अतः कार्य क्षेत्र की स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

Mr.pratush सम्पत्त तथा Ms.ayushi अतिमित्र तारा में उत्पन्न हुए हैं। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इनका भकूट सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से इनकी स्थिति रहेगी लेकिन मंगल का Mr.pratush की आर्थिक स्थिति पर दुष्प्रभाव होगा जिससे यदा कदा वे आर्थिक विषमता का

सामना कर सकते हैं।

Mr.pratush भाग्यवान तथा धनाढ्य व्यक्ति होंगे तथा Ms.ayushi के शुभ प्रभाव से धनऐश्वर्य की अभिवृद्धि करने में सफल होंगे। साथ ही अनायास धन प्राप्ति के भी योग बनेंगे। लेकिन Mr.pratush को अपनी व्ययशील प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Mr.pratush की नाड़ी मध्य तथा Ms.ayushi की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके ऊपर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मूत्र रोग संबंधी परेशानी भी रहेगी। साथ ही Mr.pratush भी हृदय संबंधी रोग से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा काम क्रियाओं में भी शिथिलता की अनुभूति करेंगे फलतः दाम्पत्य जीवन में सुख की अल्पता आएगी। Ms.ayushi भी यदा कदा काम संबंधों में उदासीनता का परिचय देंगी। अतः उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता करने के लिए Mr.pratush और Ms.ayushi को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के व्रत रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.pratush और Ms.ayushi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.pratush और Ms.ayushi के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.ayushi के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.ayushi को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.ayushi को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.pratush और Ms.ayushi सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.pratush और Ms.ayushi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.ayushi के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.ayushi के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms.ayushi अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.ayushi के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.pratush की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Mr.pratush सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Mr.pratush ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Mr.pratush के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।